मिनी ट्रक पलटा, चाचा-भतीजी की मौत

मृतक अन्नू।

मृतक दौलतराम।

बारां के चिकित्सालय में घायल का उपचार करते चिकित्साकर्मी।

16 घायल, चार कोटा रैफर

पत्रिका संवाददाता @ बारां

बारां-कोटा राष्ट्रीय राजमार्ग 76 पर रुचि सोया प्लांट के निकट रविवार तड़के मिनीट्रक पलटने से उसमें सवार चाचा-भतीजी की मौत हो गई तथा 16 अन्य घायल हो गए। चार गंभीर घायलों को कोटा रैफर किया है। दो को बारां चिकित्सालय में भर्ती किया। पुलिस व घायलों के अनुसार, हादसा तड़के करीब साढ़े पांच बजे हुआ। मिनीट्रक तालेड़ा (बूंदी) से भूसा लेने केरवालिया (बारां) जा रहा था। तेज गति के कारण चालक संतुलन खो बैठा और ट्रक पलट गया। इससे तालेड़ा निवासी दौलतराम बंजारा उर्फ दोल्या (28) तथा उसकी भतीजी अन्नु (14) पुत्री उम्मेद की मौत हो गई। हादसे में मिनीट्रक में सवार 16 मजदूर घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रक चालक फरार हो गया। सदर थाना पुलिस ने ट्रक जब्त कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। सूचना मिलने पर एएसपी किशनसहाय मीणा ने जिला चिकित्सालय पहुंचकर चिकित्सकों से घायलों के उपचार की जानकारी ली।

ये हुए घायल

दुर्घटना में गंभीर घायल तालेड़ा निवासी सूरज मीणा (15), नन्दलाल मीणा (30), रामनिवास बंजारा (20) व हीराबाई मेघवाल (50) को कोटा रैफर किया गया है। मुकेश बंजारा (15) व प्रेमबाई बंजारा (50) बारां चिकित्सालय में भर्ती हैं। वहीं मोठपुर थाना क्षेत्र के कासमपुरा निवासी कालू धाकड़ (22), केरवालिया निवासी मानसिंह बंजारा (18) तालेड़ा निवासी मुकेश बंजारा (15), शांतिबाई बंजारा (48), धर्मराज बंजारा (14), रमेश कहार (30) व पत्नी नोरती (25), मुकेश बंजारा (18), दुर्गालाल भील (12), सूरज लुहारिया (18) को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

बारां में कोटा रोड पर रुचि सोया प्लांट के समीप रविवार सुबह दुर्घटनाग्रस्त हुआ ट्रक। पत्रिका

जल संसाधन विभाग : तबादलों से अभियन्ताओं में खलबली

अभी आए, गए भी

केस-1

सीएडी सिंचाई वृत्त में दाईं मुख्य नहर खण्ड के अधिशासी अभियंता पद पर कार्यरत एस.एस. सिसोदिया का तबादला अक्टूबर में जयपुर हुआ। इसके बाद दाईं मुख्य नहर अंता खण्ड में कार्यरत एक्सईएन अजय माथुर यहां आए। माथुर को कार्यभार ग्रहण किए महीना भर भी नहीं हुआ था कि उनका तबादला अंता कर दिया। यहां अंता खण्ड के अधिशासी अभियंता कमल सिंह को लगाया है।

केस-2

चम्बल सिंचाई परियोजना खण्ड में सितम्बर में अधिशासी अभियंता तेजाराम जाट के सेवानिवृत्त होने पर यहां एक्सईएन एम.पी. सामरिया को लगाया गया। सामरिया को कार्यभार संभाले दो महीने ही हुए थे कि उनका तबादला बीसलपुर परियोजना में कर दिया। यहां कालीसिंध परियोजना झालावाड़ के एक्सईएन एस.एन. गुप्ता को लगाया गया है।

केस-3

क्वालिटी कन्ट्रोल कोटा में गिरीश लोढा को अधिशासी अभियंता का कार्यभार संभाले महीना भर ही हुआ था कि उनका खण्ड बदल दिया गया। गुणवत्ता नियंत्रण के दूसरे खण्ड के अधिशासी अभियंता पी.सी. अम्बे इस पद पर आ गए। अलनिया बांध खण्ड में कनिष्ठ अभियंता पद पर तीन साल जवाहर सागर बांध में रहकर भारतरत्न गौड़ यहां आए। लेकिन कुछ दिनों इस पद पर कनिष्ठ अभियंता एस.पी. कथरिया को लगा

कार्यालय संवाददाता @ कोटा

जल संसाधन विभाग में इन दिनों धड़ाधड़ तबादलों से अभियंताओं में खलबली मची है। कोटा खण्ड में कई अभियंताओं को पदभार ग्रहण करने के कुछ दिनों बाद ही कुर्सी छोड़नी पड़ी है। लगातार हो रहे तबादलों से विभाग का कामकाज प्रभावित हो रहा है।

कोटा खण्ड में दो-ढाई माह के भीतर ही दो दर्जन से अधिक अभियंताओं का दो से तीन स्थानों पर तबादला कर दिया। कुछ अभियंताओं को तो एक ही खण्ड में इधर-उधर किया है। अभियन्ताओं का कहना है कि स्थानांतरण नीति के तहत तीन साल तक अकारण एक पद से दूसरे पद पर तबादला नहीं करने का प्रावधान है, लेकिन विभाग में इसकी पालना नहीं हो रही। वहीं कई अभियंता अर्से से एक ही पद पर जमे हैं। सूत्रों के अनुसार इन तबादलों का कारण 'मंत्रियों' की आपसी खींचतान भी

मुखिया का पद खाली

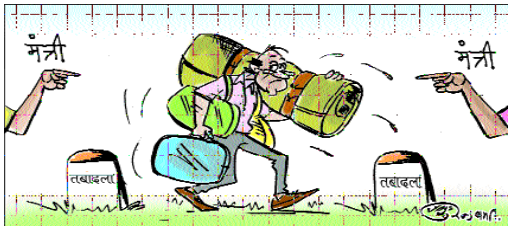

विभाग में पिछले एक माह से मुख्य अभियंता का पद रिक्त है। यहां के मुख्य अभियंता पी.एल. सोलंकी का गत 15 नवम्बर को जयपुर में गुण नियंत्रण में तबादला कर दिया गया। सोलंकी को अग्रिम आदेश तक कोटा का भी कार्य देखने को कहा गया। ऐसे में वे यहां पूरा ध्यान नहीं दे पा रहे और सिंचाई योजनाओं का कार्य ठप सा हो गया।

गियर की आपत्ति

ग्रेज्युऐट इंजीनियर्स एसोसिएशन राजस्थान इरीगेशन (गियर) ने जल संसाधन विभाग में लगातार हो रहे तबादलों पर चिंता जताते हुए कहा कि अभियंताओं का बार-बार स्थानांतरण कर उन्हें अनावश्यक रूप

करोड़ों के कार्य होने हैं

विभाग की ओर से नहरी क्षेत्र में विश्व बैंक के 104 करोड़ के कार्यों का तीसरा व अंतिम चरण अगले तीन-चार माह बाद शुरू होगा। इसमें अलग-अलग खण्डों के माध्यम से करीब 40 करोड़ रुपए से नहरों की पक्की लाइनिंग आदि कार्य किए जाएंगे। सीएडी क्षेत्र में भी राजस्थान-मध्यप्रदेश के साझा कार्यक्रम के कई बड़े काम चल रहे हैं।

नहरी पानी का फैसला आज

कोटा. चम्बल की नहरों में द्वितीय चरण में पानी छोड़ने का फैसला सोमवार को लिया जाएगा। इसके लिए सीएडी के क्षेत्रीय विकास आयुक्त प्रीतम सिंह की अध्यक्षता में सीएडी सभागार में दोपहर 12.30 बजे बैठक होगी। सूत्रों ने बताया कि सिंचाई के लिए अब करीब 35 दिन का पानी है। नहरों में पानी इसी सप्ताह छोड़े जाने की संभावना है। क्योंकि टेल क्षेत्र के किसानों तथा मध्यप्रदेश को पानी की मांग है। नहरों में पहले चरण में 27 अक्टूबर को जल प्रवाह शुरू किया गया, लेकिन हाडोती व मध्यप्रदेश में अच्छी मावठ होने के कारण 17 नवम्बर को जल प्रवाह बंद कर दिया गया था।

वेश्यावृत्ति के लिए महिला को बेचा

पत्रिका संवाददाता @ हिण्डोली/ दबलाना (बूंदी)

मध्यप्रदेश से लाकर एक मजदूर महिला को बेचने एवं उससे दबलाना थाने के निकट शंकरपुरा में वेश्यावृत्ति करवाने का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने रविवार को दो महिलाओं समेत तीन जनों के खिलाफ मामला दर्ज कर दो को गिरफ्तार कर लिया। थानाप्रभारी ओमप्रकाश चंदोलिया ने बताया कि मध्यप्रदेश के रतलाम निवासी 26 वर्षीय पीड़िता वहां मजदूरी करती थी। कुछ दिन पहले वहीं की चंदा बाई नामक महिला उसे झांसा देकर कोटा ले आई तथा कुछ दिन पास रख शंकरपुरा कंजर बस्ती निवासी साबिर मोहम्मद और कालीबाई कंजर को बेच दिया। साबिर व कालीबाई सहित कुछ लोग उसे शंकरपुरा ले आए और वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर किया। रविवार को मामला सामने आने पर हिण्डोली के कार्यवाहक वृत्ताधिकारी सतीश कुमार दबलाना पहुंचे और महिला से पूछताछ की। महिला के बयान पर पुलिस ने रतलाम निवासी चंदा व शंकरपुरा निवासी काली बाई, साबिर के खिलाफ वेश्यावृत्ति कराने का मामला दर्ज किया। साबिर व काली को गिरफ्तार कर लिया है।

अनूठा प्रयास : बूंदी जिले का लोकगीत शामिल

दुर्लभ भारतीय भाषाओं को बचाने की कवायद

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय ने तैयार की एक विशेष परियोजना

एजेंसी @ लंदन

भारत और दुनिया के अन्य हिस्सों में विलुप्ति की कगार पर खड़ी भाषाओं को लोगों तक पहुंचाने के लिए कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय ने विशेष परियोजना शुरू की है। इस डाटाबेस को विवि के अध्ययनकर्ताओं ने वर्ल्ड ओरल लिटरेचर प्रोजेक्ट की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉटओरल लिटरेचर डॉट ओआरजी पर तैयार किया है।

परियोजना के तहत केरल के पलक्कड जिले के मुदुगर और कुरूम्बर समुदायों के साहित्य और संस्कृति को डिजिटल वीडियो, आडियो और फोटोग्राफी को शामिल किया गया है। भारत आधारित अन्य परियोजना में राजस्थान के बूंदी जिले के ठीकरदा गांव में नाग देवता 'तेजाजी' के जीवन के बारे में माली समुदाय द्वारा गाई जाने वाली 20 घंटों वाली स्तुति की रिकार्डिंग भी शामिल है। इसमें राजस्थान के हाडोती क्षेत्र में तेजाजी परम्परा पर वृत्तचित्र बनाया जाना भी शामिल है। इस रिकार्डिंग को हाडोती से हिंदी और अंग्रेजी में अनुवाद किया जाएगा और इसे एक पुस्तिका तथा डीवीडी के रूप में बांटा जाएगा।

विश्व की 3524 भाषाएं

विश्वविद्यालय के सूत्रों ने बताया कि इस परियोजना में विश्व की 3,524 भाषाओं के रिकार्ड को शामिल किया गया है। एशिया आधारित अन्य परियोजनाओं में तोरवाली मौखिक साहित्य को पाकिस्तान स्थित समुदाय की पूर्ण भागीदारी के जरिए संग्रह करने, रिकार्ड करने और इसका मुद्रण शामिल है। यह परियोजना एक साल की है। इसके तहत नेशनल ज्योग्राफिक चैनल के समर्थन से तोरवाली शब्दकोष भी तैयार किया जाना है। नेपाल में नुबरी के नगाडाग लमास मौखिक साहित्य को रिकार्ड करना और मुद्रित किया जाएगा।

विलुप्त होने का कारण

वर्ल्ड ओरल लिटरेचर प्रोजेक्ट के निदेशक डॉ. मार्क तुरीन ने बताया, मौजूदा समय में दुनिया में 6,500 से अधिक भाषाएं सक्रिय हैं, इनमें से आधी भाषाएं सदी के अंत तक लोगों की जुबान से दूर हो जाएंगी। उन्होंने बताया कि ज्यादातर मामलों में उनकी विलुप्ति वैश्वीकरण, तीव्र सामाजिक या आर्थिक बदलाव का परिणाम है।

हाइवे पर ट्रक चालक से मोबाइल व नकदी लूटी

दो गिरफ्तार

पत्रिका संवाददाता @ अकलेरा

घाटोली थाना क्षेत्र के नानाखेड़ा गांव के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार को दो जनों ने एक ट्रक चालक से मोबाइल व 15 हजार रुपए लूट लिए। पुलिस ने रविवार को दोनों लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार पचोला (अकलेरा) निवासी ट्रक चालक रघुनाथ मीणा शनिवार दोपहर घाटोली होकर हैदराबाद जा रहा था। राष्ट्रीय राजमार्ग 12 पर नानाखेड़ा गांव के समीप घाटोली निवासी दीपक वैष्णव व नानाखेड़ा निवासी जगन्नाथ गुर्जर मोटरसाइकिल पर आए और ट्रक पर सामने से पत्थर मारा। शीशा टूटने पर जब रघुनाथ ने ट्रक रोका तो दोनों ने उसे धमकाकर मोबाइल व 15 हजार रुपए छीन लिए।

साथी के पकड़े जाने पर फायर

एक चोर को ग्रामीणों ने पीटा

पत्रिका संवाददाता @ भवानीमंडी

भवानीमंडी क्षेत्र के रुणजी गांव में रविवार तड़के एक मकान के सामने नलकूप की मोटर चोरी करते समय ग्रामीणों ने एक जने को पकड़ उसकी पिटाई कर दी। उसे छुड़ाने के लिए उसके साथी ने देशी कट्टे से फायर कर मकान मालिक को घायल कर दिया। दोनों को झालावाड़ चिकित्सालय भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि रुणजी निवासी बालचंद (40) के घर के सामने नलकूप की मोटर को झालरापाटन थाना क्षेत्र के किशनपुरिया गांव निवासी मनोहर कंजर (25) व कालू कंजर चोरी के इरादे से निकाल रहे थे। खटपट की आवाज सुनकर बालचंद वहां आ गया और मनोहर को पकड़ लिया। उसके शोर मचाने पर उसके चाचा राजाराम व अन्य ग्रामीण भी वहां आ गए। मनोहर को छुड़ाने के लिए उसका साथी कालू देशी कट्टे से फायर कर भाग गया। बालचंद के कंधे में छर्रे लगे।

रेल परिचालन

गत नौ माह में 1253 मवेशी और 225 लोग ट्रेन की चपेट में

'रनओवर' का रोड़ा

कार्यालय संवाददाता @ कोटा

ट्रेनों की लेटलतीफी के पीछे रेलवे से ज्यादा जिम्मेदार 'कैटल रनओवर' (मवेशी कटने) की घटनाएं हैं। इन घटनाओं से ट्रेनों का समय तो गड़बड़ाता ही है, वहीं लोको (इंजन) भी डेमेज होते हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में रेलपथ के किनारे चरते रहने वाले मवेशी कई बार ट्रैक पर चले जाते हैं और ट्रेन की चपेट में आ जाते हैं। कोटा मंडल में हर रोज पांच से दस मवेशियों की अकाल मौत हो रही है। इस वर्ष मार्च से 30 नवम्बर तक एक हजार से ज्यादा 'कैटल रनओवर' की घटनाएं हो चुकी हैं। इन घटनाओं में 80 प्रतिशत मामलों में इंजनों को भी क्षति पहुंची। इसके अलावा चालू वर्ष में अब तक (मैन रनओवर) के चलते 225 से अधिक लोग ट्रैक पर जान गंवा चुके हैं। कोटा से सवाई माधोपुर के बीच ट्रैक पर 57 लोग ट्रेन की चपेट में आए।

ट्रैक के पास नहीं छोड़ें पशु

"किसान और पशुपालकों की जागरूकता से ही 'कैटल रनओवर' के मामलों में कमी आ सकती है। पशुओं के ट्रैक के किनारे नही छोड़ना चाहिए। समाज के सभी वर्गों को अपनी जिम्मेदारी समझनी

80 फीसदी मामलों में इंजन को क्षति पहुंची

कैटल रनओवर

अप्रेल	91
मई	106
जून	174
जुलाई	229
अगस्त	214
सितम्बर	168
अक्टूबर	160
नवम्बर	111

मैन रनओवर कहां-कितने

सेक्शन	हादसे
गंगापुर सिटी-बयाना	46
केलादेवी-मथुरा	27
डकनिया-कोटा	15
कोटा-सवाई माधोपुर	57
रणथम्भौर-श्रीमहावीरजी	42
शामगढ़-झालावाड़ रोड	16